THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF SCIENCE AND TECHNOLOGY AND THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENTS OF OCEAN DEVELOPMENT, ATOMIC ENERGY, ELECTRONICS AND SPACE (SHRI K. R. NARAYANAN): (a) Yes, Sir, to determine the feasibility of the use of the DPTP vaccine in the national immunization programme, the Government is organising large scale field trials in the country.

(b) The new DPTP vaccine is a quadruple vaccine facilitating immunization against 4 diseases (viz., Diptheria, pertussis, tetanus and polio) through the same injection. No separate administration is required. Thus without a separate recall, with only two doses administered alongwith DPT, the child would be fully immunised against polio in the 1st year itself. Because of the requirement of only 2 doses of DPTP for immunisation against polio, with 25 to 30 per cent average dropout rate, it would be possible to achieve nearly 85 per cent targetted coverage which would not be possible in OPV which requires minimum 3 doses. Many Studies have shown that over 95 per cent sero conversion is achieved against polio with only two doses of DPTA. The Inactivated polio vaccine in the DPTP requiring storage at plus' 2*C to plus 8*C, needs no special cold chain and thus it can be transported in the existing cold chain for DPT. The present requirement of a minus 20'C cold chain for the O.P.V. would thus get eliminated by use of DPTP.

(c) Yes Sir, The Government of India have signed a protocol with Govt. of France, extending financial assistance from Govt. of France to establish a Joint Venture Company in India to undertake R&D-cum-production of viral vaccines including DPTP Vaccine in collaboration with the Institute Merieux, Lyon, France.

(d) The Joint Venture Company will establish and R&D-cum-production unit to manufacture the following Vaccines :—

Measles Vaccine—20 Million doses per annum.

Vero rabies Vaccine—2 Million doses per annum.

Inactivated Polio—50 Million doses per annum.

Ouadruple DPTP Vaccine—40 Million doses per annum.

(e) and (f) Already the National Institute of Immunology in New Delhi is collaborating with Pasteur Institute, Paris, for research on vaccines and vaccine related technologies in the area of communicable diseases.

(g) These collaborations would result in the production of efficacious and safe vaccines, immunodiagnostics etc., which would be available to India for use in its immunization programme.

संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा की आयु सीमा का बढ़ाया जाना

730. **श्री सत्य प्रकाश मालवीय :**
श्रीमती विजया चक्रवर्ती :

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार से यह मांग की गयी है कि सिविल सेवा परीक्षाओं में बैठने के लिए आयु सीमा को पहले की तरह 28 वर्ष तक बढ़ा दिया जाये ताकि ग्रामीण क्षेत्रों के छात्रों की उपेक्षा न हो ;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार इस मांग पर विचार करने का इरादा रखती है ; और

(ग) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी० चिदम्बरम्) (क) जी, हां ।

(ख) और (ग) सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों के उम्मीदवारों के हितों सहित सभी पहलुओं पर सावधानी पूर्वक विचार किया है तथा सम्मिलित सिविल सेवा परीक्षा

के लिए आयु-सीमा न बढ़ाने का निर्णय किया है ।

भर्ती और चयन की प्रक्रिया पर विचार करने हेतु संघ लोक सेवा आयोग द्वारा गठित समिति

731. **श्री सत्य प्रकाश मालवीय** : क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) संघ लोक सेवा आयोग द्वारा भर्ती की वर्तमान प्रक्रिया पर विचार करने और चयन प्रक्रिया में सुधार लाने के लिए गठित की गयी समिति के सदस्यों के नाम क्या हैं ;

(ख) क्या समिति ने सरकार को अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत कर दिया है ; और

(ग) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो प्रतिवेदन के कब तक प्रस्तुत कर दिए जाने की संभावना है ?

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी० चिदम्बरम्) : (क) विशेषज्ञ समिति के सदस्यों के नाम विवरण में दिए गए हैं (नीचे देखिये) ।

(ख) और (ग) प्रारम्भ में समिति को अपने गठन के 6 मास के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करनी थी । तथापि, संघ लोक सेवा आयोग ने इसके कार्यकाल को 6 मास की अवधि के लिए अर्थात 11 सितम्बर, 1989 तक बढ़ाने का निर्णय लिया है ।

विवरण

विशेषज्ञ समिति के सदस्यों के नाम निम्नानुसार हैं :—

1.	श्री सतीश चन्द्र, भूतपूर्व अध्यक्ष, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग	अध्यक्ष
2.	श्री टी०आर० सतीश चन्द्रन, आई०ए०एस० (सेवानिवृत्त), भूतपूर्व मुख्य सचिव, कर्नाटक सरकार ।	सदस्य
3.	श्री एस०एन०माथुर, आई० पी०एस०, (सेवानिवृत्त), भूतपूर्व निदेशक, आसूचना ब्यूरो ।	सदस्य
4.	डा० के० वैंकट रमैया, भूतपूर्व-सदस्य, संघ लोक सेवा आयोग ।	सदस्य
5.	डा० एफ० मेनजिज, निदेशक, टाटा प्रबन्ध प्रशिक्षण संस्थान, पुणे ।	सदस्य
6.	श्री सी०एस० स्वामीनाथन आई०ए० एण्ड ए०एस० (सेवानिवृत्त) भूतपूर्व- सचिव, भारत सरकार ।	सदस्य
7.	कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग का प्रतिनिधि (श्री डी०पी० बागची, संयुक्त सचिव) ।	सदस्य
8.	अपर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग (श्री पी०सी०होटा) :	सदस्य सचिव

विद्युत् चिकित्सा प्रणाली को मान्यता देने के संबंध में समिति

732. **श्री सत्य प्रकाश मालवीय** : क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) विद्युत् चिकित्सा प्रणाली को मान्यता प्रदान करने के लिए गठित समिति का कार्यकाल कितना है ;

(ख) विद्युत् चिकित्सा प्रणाली को मान्यता प्रदान करने के लिए गठित समिति ने कब तक प्रतिवेदन प्रस्तुत करना है ;

(ग) प्रतिवेदन प्रस्तुत करने में विलम्ब होने के क्या कारण हैं ; और